TheHitavada
CityLine
EXCLUSIVE FOR THE READERS IN BHOPAL
TUESDAY, AUGUST 11, 2015

Sanchi University to begin PhD courses from July 2016

■ Staff Reporter

THE academic council of Sanchi University of Buddhist Studies decided to introduce center of integrated healing on Monday. The university would start its PhD sessions from July 2016. The center of integrated healing will be prepared on concept of Ayurved, Unani, Tibet and Allopath medical process. The council members also agreed to launch new courses like Master of Arts in Buddhist Philosophy and Indian Philosophy, Green Vastu Building and Buddhist Community Radio Collective.

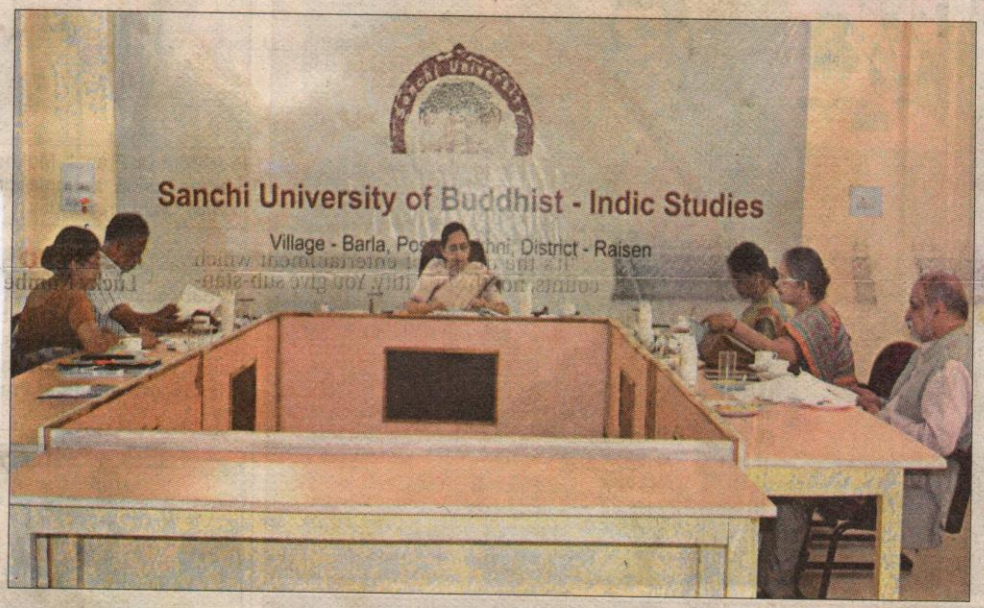

Academic Council of Sanchi University takes decision regarding new courses.

43

11/8/15

सांची विवि शुरू करेगा पीएचडी और ऑनलाइन कोर्स

भोपाल,10 अगस्त,नभासं. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की विद्या परिषद ने सोमवार को कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई.

बैठक सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ शशिप्रभा कुमार की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद ने नए ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के साथ ही जुलाई 2016 से पीएचडी आरंभ करने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है.

ये शुरु होंगे विषय

- बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन पर दो समन्वित एमए के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
- संस्कृत का ऑनलाइन कोर्स शुरु किया जाएगा.
- ग्रीन वास्तु बिल्डिंग ओर बुद्धिस्ट कम्युनिटी रेडियो कलेक्टिव पर दो नए पाठ्यक्रम शुरु होंगे
- 21वी सदी में बुद्धिस्ट इंडीक कम्युनिकेशन थ्योरीज पर श्रीलंका के प्रोफेसर कंलीगा के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई.

इंटीग्रेटेड हीलिंग का केंद्र शुरू होगा

विद्या परिषद ने सांची विश्वविद्यालय के वैकल्पिक शिक्षा केंद्र में पालकों और शिक्षकों के लिए दो दिन की कार्यशाला बुलाई जाएगी. परिषद के सदस्यों ने आयुर्वेद, तिब्बती चिकित्सा, यूनानी एवं सिद्ध के साथ एलोपैथी को मिलाकर एक समन्वित चिकित्सा की दिशा में काम करने के लिए सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग खड़ा करने की भी सलाह दी, जिसे कार्यरूप में तैयार करने पर फैसला हुआ.

ये भी फैसले

- वैकल्पिक शिक्षा केंद्र की गतिविधियों को बढ़ावा देंगे
- भारतीय, तिब्बती और यूनानी के साथ एलोपैथिक चिकित्सा को मिलाकर सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग बनाया जाएगा.
- महत्वपूर्ण विषयों पर लेक्चर्स की सीरीज शुरु की जाएगी.
- लोगों की जिज्ञासा से जुड़े विषयों पर सांची विश्वविद्यालय एक सप्ताह की कार्यशाला करेगा

लेक्चर की सीरीज भी शुरु होगी

विद्या परिषद की बैठक में कई अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई. विश्वविद्यालय आगामी महीनों में जन-जन की जिज्ञासा और लोकप्रिय विषयों पर लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों के लेक्चर की सीरीज भी शुरू करेगा, जो मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों में होगी. सांची विश्वविद्याल के ग्राम बारला स्थित अकादमिक परिसर में हुई विद्या परिषद की बैठक में कुलपति प्रो. डॉ शशिप्रभा कुमार के साथ कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति और विद्या परिषद सदस्य प्रो. उमा वैद्य और मुंबई विश्वविद्यालय की प्रो. शुभदा जोशी, पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. प्रदीप गोखले और सांची विवि के कुल सचिव राजेश गुप्ता शामिल हुए.

इससे अकादमिक करार

सांची विश्वविद्यालय का हिंदू यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के साथ अकादमिक करार करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई. विद्या परिषद ने जुलाई 2016 से पीएचडी शुरु करने की प्रक्रिया को स्वीकृति प्रदान कर दी है.

FREE PRESS
BHOPAL
TUESDAY
AUGUST 11, 2015

Buddhist varsity to set up centre for "Integrated Medicine"

• OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

The Sanchi University of Indic and Buddhist Studies has decided to set up a centre of integrated healing - combining Allopathic, Ayurvedic and Tibetian disciplines.

In its academic council meeting, the university got an offer for research in integrated healing from some American scholars. "The proposal was pending for decision but the council decided to take it up immediately as some experts from abroad showed interest in integrated healing and research on it," said the varsity officials.

The specialised university will develop itself as alternative education centre and in the meeting; the council took decision to start Ph D course from July 2016 and some new online courses.

It will hold a lecture series across major cities on various subjects related with modern lifestyle and spirituality.

In the beginning, the university will start online courses in Sanskrit.

Sanchi University for Buddhist and Indic Studies Academic Council vice chancellor Dr Shashiprabha Kumar presides over a meeting on Monday.

The council gave its nod to two new courses on green Vaastu building and Buddhist community radio collective,

The council discussed the proposal of signing a memorandum of understanding with Hindu University of America. Officials said the university will hold workshop on various subjects in coming days.

निर्णय | अगले साल से पीएचडी के साथ ऑनलाइन कोर्स भी होंगे शुरू

सांची विवि में होगी तिब्बती चिकित्सा पद्धति पर रिसर्च

यूनिवर्सिटी में खुलेगा सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आयुर्वेद, यूनानी और एलोपैथिक के साथ ही तिब्बती चिकित्सा पद्धति पर रिसर्च होगी। सांची विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला संस्थान होगा जो तिब्बती चिकित्सा पद्धति पर शोध कार्य करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग खोला जाएगा, जिसमें इन सभी चिकित्सा पद्धतियों पर काम किया जाएगा। यह सेंटर वैकल्पिक शिक्षा केंद्र की गतिविधियों को विस्तार देने के लिए स्थापित किया जा रहा है।

सोमवार को हुई विश्वविद्यालय की एकेडेमिक काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में यूनिवर्सिटी की एकेडेमिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए और भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में अगले साल जुलाई माह से पीएचडी कोर्स शुरू करने के साथ ही जल्द ही नए ऑनलाइन कोर्स भी शुरू करने पर सहमति बनी। ऑनलाइन कोर्स की शुरुआत संस्कृत में सर्टिफिकेट कोर्स से की जा रही है।

बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन पर दो समन्वित पोस्ट ग्रेजुएट एमए शुरु करने को भी मंजूरी दी गई है। साथ ही ग्रीन वास्तु बिल्डिंग और बुद्धिस्ट कम्युनिटी रेडियो कलेक्टिव पर भी दो नए कोर्स को मंजूरी मिली। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत सांची विश्वविद्यालय का हिंदू यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के साथ अकादमिक करार का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया। वहीं 21 वी सदी में बुद्धिस्ट इंडीक कम्युनिकेशन थ्योरीज़ पर श्रीलंका के प्रोफेसर कलिगा के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

विद्वानों के लेक्चर की सीरीज होगी शुरू

बैठक में कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार हुआ। विश्वविद्यालय आगामी महीनों में जन-जन की जिज्ञासा और लोकप्रिय विषयों पर जाने-माने विद्वानों के लेक्चर की सीरीज भी शुरु करेगा जो मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों में होगी। सदस्यों ने नए आयाम जोड़ने के सुझावों में पालकों और शिक्षकों के लिए दो दिन की कार्यशाला आयोजित करने की सलाह दी। बैठक में कुलपति प्रो. डॉ. शशिप्रभा कुमार के साथ कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उमा वैद्य, मुंबई यूनिवर्सिटी की प्रो. शुभद्रा जोशी, पुणे यूनिवर्सिटी के प्रो. प्रदीप गोखले और सांची विवि के कुल सचिव राजेश गुप्ता शामिल हुए।

राजधानी

दैनिक जागरण

भोपाल, 12 अगस्त 2015

सांची विवि शुरू करेगा पीएचडी और ऑनलाइन कोर्स

भोपाल (निप्र)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की विद्या परिषद ने कई अहम प्रस्ताव मंजूर किए हैं। सोमवार को सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ शशिप्रभा कुमार की अध्यक्षता में विद्या परिषद की बैठक में नए ऑनलाइन कोर्स शुरू करने और जुलाई 2016 से पीएचडी आरंभ करने के प्रस्ताव मंजूर किए गए।

सांची विश्वविद्यालय के वैकल्पिक शिक्षा केंद्र की गतिविधियों को विस्तार देने और भारतीय, तिब्बती और यूनानी के साथ एलोपैथिक चिकित्सा को मिलाकर सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग खड़ा करने पर भी बैठक में फैसला हुआ। सांची विश्वविद्यालय अहम विषयों पर व्याख्यान की सीरीज भी शुरु करेगा। साथ ही जन-जन की जिज्ञासा से जुड़े विषयों पर सांची विश्वविद्यालय एक सप्ताह की कार्यशाला भी करेगा, जिनमें दर्शनशास्त्र को आधार बनाकर उनके उपयोगी पक्ष को समझा जाएगा।

सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग शुरू होगा : विद्या परिषद ने सांची विश्वविद्यालय के वैकल्पिक शिक्षा केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए उसमें नए आयाम जोड़ने के सुझावों में पालकों और शिक्षकों के लिए दो दिन की कार्यशाला की सलाह दी। परिषद के सदस्यों ने आयुर्वेद, तिब्बती चिकित्सा, यूनानी एवं सिद्ध के साथ् एलोपैथी को मिलाकर एक समन्वित चिकित्सा की दिशा में काम करने के लिए सेंटर ऑफइंटीग्रेटेड हीलिंग खड़ा करने की भी सलाह दी, जिसे कार्यरूप में तैयार करने पर फैसला हुआ। सांची विश्वविद्याल के ग्राम बारला स्थित अकादमिक परिसर में हुई विद्या परिषद की बैठक में कुलपति प्रो. डॉ शशिप्रभा कुमार के साथ कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति और विद्या परिषद सदस्य प्रो. उमा वैद्य और मुंबई विश्वविद्यालय की प्रो. शुभदा जोशी, पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. प्रदीप गोखले और सांची विवि के कुल सचिव राजेश गुप्ता शामिल हुए।

अमेरिकी विवि से होगा करार

सांची विश्वविद्यालय को हिंदू यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के साथ अकादमिक करार समेत कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार हुआ। विद्या परिषद ने जुलाई 2016 से पीएचडी शुरु करने की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी। बैठक में बौद्ध दर्शन और भारतीय दर्शन पर दो समन्वित पीजी कोर्स शुरु करने को भी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। बैठक में कुछ ऑनलाइन कोर्स तैयार करने पर भी विचार हुआ और शुरुआत संस्कृत के ऑनलाइन कोर्स से करने पर सहमति बनी। ग्रीन वास्तु बिल्डिंग और बुद्धिस्ट कम्युनिटी रेडियो कलेक्टिव पर दो नए पाठ्क्रम को भी सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई। 21वीं सदी में बुद्धिस्ट इंडीक कम्युनिकेशन थ्योरीज पर श्रीलंका के प्रोफेसर कंलीगा के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, BHOPAL
THURSDAY, AUGUST 13, 2015

13/8/15

corporate buzz

HINDUSTAN TIMES MEDIA MARKETING INITIATIVE

New Courses to commence at Sanchi University

In the academic council meet of Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, proposals were approved under the chairpersonship of Vice Chancellor Dr. Shashi Prabha Kumar. The meeting also gave approval to start PHD courses from the next academic session of July 2016. It was also decided to conduct lectures on different issues throughout the academic sessions and conduct workshops on the issues that are directly related to the people. Discussions were also held on MoU's which are expected to be finalized.

आप पढ़ रहे हैं

सिटी फ्रंट पेज

दैनिक भास्कर, भोपाल | सोमवार, 17 अगस्त, 2015 | 2

तिब्बती इलाज पद्धति 'सोवा रिग्पा' को प्रचारित करेगा मप्र

सांची विश्वविद्यालय में होगी सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग की स्थापना

निश्चय बोनिया | भोपाल

यूरोप और अमेरिका में आयुर्वेद के बाद तेजी से लोकप्रिय हो रही इलाज की प्राचीन तिब्बती चिकित्सा पद्धति 'सोवा रिग्पा' को देशभर में फैलाने का जिम्मा मध्यप्रदेश ने उठाया है। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, होम्योपैथी और एलोपैथिक को मिलाकर एक सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड हीलिंग की स्थापना करने जा रहा है।

यूनिवर्सिटी ने भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के साथ तिब्बती चिकित्सा पद्धति को भी शामिल कर प्रचार-प्रसार करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए यूनिवर्सिटी द्वारा तिब्बत के साथ ही धर्मशाला और सारनाथ के विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जा रह है।

विवि के अधिकारियों का कहना है कि सोवा रिग्पा को भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में शामिल करने संबंधी विधेयक को राज्यसभा की मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश में भी इस चिकित्सा पद्धति को पढ़ाने और इलाज में इसका उपयोग करने का रास्ता साफ हो गया है। भारतीय केंद्रीय चिकित्सा परिषद द्वारा वर्ष 2012 में सोवा रिग्पा को भारत की 6वीं चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। यूनिवर्सिटी के विजय दुबे का कहना है कि इन सब कवायद के बीच यूनिवर्सिटी ने तिब्बत की इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति पर रिसर्च के लिए एकेडेमिक काउंसिल की बैठक में सहमति बन गई है।

आयुर्वेद का एडवांस रूप

तिब्बती चिकित्सा पद्धति सोवा रिग्पा भारत की आयुर्वेद का ही एडवांस रूप है। इसके डॉक्टरों को आमची कहते हैं। प्राचीन काल मे इसका प्रयोग तिब्बत, चीन, मंगोलिया, भूटान, नेपाल और दक्षिण-पूर्वी सोवियत संघ के साथ ही भारत में लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग मे होता रहा है। भारत में यह सिर्फ उन्हीं क्षेत्रों में लोकप्रिय रही जहां बौद्ध धर्म का ज्यादा प्रभाव रहा। यह पद्धति पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों पर आधारित है। अगर सही तरीके से इन्हें अमल में लाया जाए तो इसका कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता है।

सोवा रिग्पा में इलाज की कुछ विधियां

- औषधियों से इलाज करना
- जड़ी बूटी के धुएं से उपचार करना
- बाहरी उपयोगी दवा
- स्नान के द्वारा इलाज

(जानकारी विशेषज्ञों के मुताबिक)

दैनिक भास्कर

सांची बौद्ध विवि की तीसरी धर्म धम्म कांफ्रेंस 24 अक्टूबर से

धर्म के साथ विश्व शांति इकोलॉजी पर होगी चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की तीसरी धर्म धम्म कांफ्रेंस में इस बार 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर मंथन होगा। इस बार सभी धर्मों के गुरु कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कांफ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में मनाए जाने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे। इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए भूटान के मंत्री से लेकर घाना के राष्ट्रपति को भी आमंत्रण भेजा जा रहा है। जबकि श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा जा चुका है।

इन यूनिवर्सिटी से आ रहे शिक्षाविद्

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिस्ट रिसर्च इंस्टिटयूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सूनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सेन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

यूनिवर्सिटी अपना तीसरा धर्म धम्म सम्मेलन आगामी 24 अक्टूबर से मनाने जा रहा है। इस बार यह सम्मेलन भोपाल के स्थान पर इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। इस बार सम्मेलन की मुख्य विषयों को अलग-अलग थीम में बांटा गया है। इसके तहत धर्म की विश्व शांति, इकोलॉजिकल बैलेंस, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक सेवा, ज्ञान, योग परंपरा पर दुनिया भर से आए बुद्धिजीवी मंथन करेंगे। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है। विवि के असिस्टेंट डायरेक्टर पब्लिक रिलेशन विजय दुबे के अनुसार राज्य शासन द्वारा सिंहस्थ के आयोजन के तहत धर्म पर बड़े सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। अगले चरण में संगोष्ठी के आयोजन की जिम्मेदारी विवि को मिली है।